नशों से नरक बनता जीवन

सिटी रिपोर्टर »

नशे की लत राज्य के 18 से 35 आयु वर्ग के नौजवानों को पूरी तरह अपनी जकड़ में ले रही है। नशा एक बड़ी सामाजिक बुराई है जो दीमक की तरह समाज को खोखला कर रही है। यह विचार पूर्व एसएसपी कुंवर विजय प्रताप सिंह ने दशमेश आडिटोरियम में खेले गए 'नशा मुक्त पंजाब' नाटक को देखने के बाद व्यक्त किए। यह नाटक गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी की ओर से पेश किया गया। इसके आयोजन में क्रोनिक केयर फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से करवाया गया। रजिस्ट्रार डा. इंद्रजीत सिंह ने समागम की प्रधानगी की जबकि कुंवर मुख्य मेहमान के रूप में उपस्थित हुए थे। कुंवर ने कहा कि नशों से हर घर आहत है और इस घर के सदस्या को इसका बहिष्कार करना चाहिए। इस मौक डा. आरएस संधु, विद्यार्थी भलाई के डीन डा. एसपीएस ईशर ने मुख्य मेहमान ने मेहमानों आ आभार व्यक्त किया। युवक भलाई विभाग की डायरेक्टर डा. जगजीत कौर ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।